फसल : मसूर

भूमि चुनाव : इसकी खेती हल्की ऊपरी भूमि से लेकर भारी भूमि में की जा सकती है। मसूर की बोआई अगात खरीफ की फसल एवं धान काटने के बाद मध्यम जमीन में की जाती है।

उन्नत प्रभेदः बी.आर. 25 : कटनी 110-120 दिनों पर। उपज 14-15 क्विंटल/हेक्टर। बुआई : 15 अक्टूबर से 15 नवम्बर।

पन्त एल. 406 : कटनी 130-140 दिनों पर। उपजः 18-20 क्विंटल/हेक्टर। बोआईः 25 अक्टूबर से नवम्बर। धान की फसल में पैरा पद्धति के लिए विशेष रूप से उपयुक्त।

मल्लिका (के.75) : कटनी 130-135 दिनों पर। उपजः 20-22 क्विंटल/हेक्टर । बोआईः 15 अक्टूबर से 15 नवम्बर । दाना मध्यम बड़ा।

अरूण (पी.एल. 77-12): कटनी : 100-120 दिनों पर । उपजः 20-22 क्विंटल/हेक्टर । बोआईः 15 अक्टूबर से 15 नवम्बर। दाना मध्यम बड़ा।

पन्त एल. 639 : कटनी 120-125 दिनों पर। उपजः 18-20 क्विंटल/हेक्टर। बोआईः 25 अक्टूबर से 25 नवम्बर।

नरेन्द्र मसूर 1 : कटनी 120-125 दिनों। उपज क्षमता 20-25 क्विं० प्रति हे.। बोआईः 25 अक्टूबर से 25 नवम्बर।

के.एल.एस. 218 : कटनी 120-125 दिनों। उपज क्षमता 20-25 क्विं० प्रति हे. रस्ट एवं उकाठा के लिए सहिष्णु।

एच.यू.एल. 57 : कटनी 120-125 दिनों। उपज क्षमता 20-22 क्विं० प्रति हे.। उकठा रोग के लिए सहिष्णु।

बुआई विधि : बीज दरः छोटे दाने की प्रजाति के लिए 30-35 एवं बड़े दाने के लिए 40-45 किलोग्राम/हेक्टर। पैरा पद्धति से बोआई हेतु 50-60 किलोग्राम/हेक्टर। बीजोपचारः राइजोबियम कल्चर पी.एस.बी. का व्यवहार 5-5 पैकेट/हेक्टर। बोआई की दूरीः 25x10 सेमी.

खाद की मात्रा : 25 किलोग्राम नेत्रजन, 50 किलोग्राम स्फुर तथा 25 किलोग्राम पोटाश/हेक्टर बोआई के समय करें। अर्थात यूरिया 12 किलोग्राम DAP112 कि०ग्रा० तथा MOP 42 कि०ग्राम का व्यवहार करें।